सतपुड़ा एकीकृत ग्रामीण विकास संस्था सिरडी

वार्षिक रिव्यु 2021–2022

''कोहरे से एक बात सीखने को मिलती हैं कि, जब जीवन में रास्ता न दिखाई दे रहा हो तो, बहुत दूर तक देखने की कोशिश व्यर्थ है, एक – एक कदम चलते जाओं रास्ता खुलता जायेगा''
यहीं हमारा भी प्रयास रहता है। सामने रास्ते में जो समस्यायें/उलझने है उन्हें सुलझाओं फिर रास्ता ढूँढों और आगे बढ़ो।

पिछले 5 वर्षो में जब से आई.आर.ए. में पंचायती राज में महिलाओं की भूमिका पर हमने क्षमता विकास का कार्य शुरू किया है व सतपुड़ा एकीकृत ग्रामीण विकास संस्था सिरडी के साथ आई.आर.ए. में मिलकर कार्य किया हैं तब से कार्य का एक नया स्वरूप उभर कर सामने आया हैं। हम दोनों ही संस्थायें मिलकर महिलाओं के साथ मुख्य रूप से :–

1. पंचायती राज में चुनी हुई महिला जन प्रतिनिधियों के साथ उनकी क्षमता विकास के कार्यक्रम कर रहें हैं।
2. ग्राम सभा में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ाने के प्रयास कर रहें है।
3. भविष्य की नेताओं की पहचान कर उनकी क्षमता बढ़ाने के कार्यक्रम चला रहें है।
4. एकल महिलाओं को पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक व कानूनी मदद उपलब्ध करवाने के लिये उन्हें संगठित करना व उनकी समस्याओं की पहचान करना।
5. मनरेगा में 70 प्रतिशत से अधिक महिला मजदूर काम करती हैं इस परियोजना को महिला मजदूरों के लिये सुगम बनाने हेतू प्रयास करना। व समय जरूरत पर महिला मजदूरों को काम मिले उसके लिये उन्हें तैयार करना।
6. अजीविका मिशन में महिला स्वयं सहायता समूहों के गठन को बैंक से लिंक करना व अजीविका मिशन से ऑनलाइन जोड़ने में मदद करना, समूह में लेन–देन व हिसाब ठीक रखने में मदद करना।
7. ''नल से हर घर जल'' उपलब्ध करवाने वाले ''जल जीवन मिशन'' में पंचायत स्तर पर केवल महिलाओं की जल एवं स्वच्छता की उपसमिति बनवाना व उन उप समितियों की क्षमता बढ़ाने में व महिला उपभोक्ता समूह बनवाने में, पंचायतों की मदद करना।
8. महिला किसानों को पारम्परिक नई कृषि तकनीकों से जोड़ना उन्हें महिला किसानों के रूप में पहचान दिलवाने में संगठित कर खेती में उनके अनुभव सुगम बनाना।
9. किशोरी बालिकाओं व युवा महिलाओं के लिये स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता पर अभियान चलाना साथ ही कौशल विकास के प्रशिक्षण कार्यक्रम करवाना व उन्हें आर्थिक गतिविधियों से जोड़ना।
10. महिलाओं के लिये विशेष स्वास्थ्य एवं पोषण कार्यक्रमों का आयोजन करना व उनसे उन्हें जोड़ना।

11. ग्राम पंचायत व ग्राम स्तरीय पहली पंक्ति की महिला कार्यकर्ताओं को एक साथ एक मंच पर लाना व सब मिलकर ग्राम विकास की रणनीति बनाना व उस पर साथ कार्य करना (हर ग्राम पंचायत में माह में एक बार बैठक करना) महिलाओं के साथ इन क्षेत्रों की पहचान करना व इन पर काम करना इन सबके पीछे उद्वेश्य यहीं हैं कि हम महिलाओं की सभी कार्यक्रमों से जोड़ने में क्षमता बढ़ा सकें सभी कार्यो में महिलाओं के लिये सुगम बना सकें व सरकार द्वारा चलायी जा रही जो योजनायें हैं उनमें जो गेप है उन्हें कम कर सकें व पार कर सकें।

पिछले वर्ष इन्हीं 11 विशेष क्षेत्र जहॉ महिलाओं के साथ कार्य करने की जरूरत थी जहॉ पंचायतों, ग्रामों में हमारी पहल/हस्तक्षेप वकालत व विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम व जागृति अभियान कार्यक्रम चला कर महिलाओं की मदद की।

कभी खुशहाल तो कभी उदास होगी,

कभी जीत तो कभी हार होगी

ये जिन्दगी की सड़क है जो धीरे–धीरे ही पार होगी।।

इस वर्ष जो विशेष कार्य किये गये उनमें सबसे पहले हम कोविड –19 महामारी पर बात करते है हमने पूरे वर्ष कोविड –19 से बचाव के लिये प्रचार–प्रसार, टीकाकरण पर जागरूकता, टीका लगाने के लिये लोगों को लगातार जानकारी देना कि कहॉ कब टीका लग रहे हैं। पर काम किया। जरूरत मंदों को सहायता भी उपलब्ध करवायी इस दौरान हमने 120 जरूरत मंद महिलाओं को राशन किट उपलब्ध करवायें। बुर्जुगों को भी राशन व दवाइयों के लिये मदद उपलब्ध करवायी। हमें गॉवों में ही ''अन्न दान'' का अभियान चला कर अनाज एकत्रित किया व 16 बुर्जुग परिवारों को अनाज नियमित अनाज उपलब्ध करवाया। 43 एकल महिलाओं को उचित मूल्य दुकान से राशन मिलने में मुश्किल थी उन्हें राशन उपलब्ध करवाया।

1. **<u>एकल महिलायं</u>** :– महाराष्ट्र वो बहुत संगठित रूप से चांदूर बाजार की 24 पंचायतों में एकल महिलाओं को मदद कर पा रहें है। हमारी करीब 3200 महिलाओं तक पहुॅच हैं। इनके कार्य बहुत अच्छे ढंग से हो सकें उसके लिये 826 महिलाओं का एक संगठन ''साथिन एकल महिला संगठन'' गठित किया गया जिसकी वार्षिक सदस्यता फीस होती हैं बैंक में खाता है जो उन्हीं के द्वारा चयनित सदस्यों द्वारा संचालित किया जा रहा हैं। इस संगठन के साथ मिलकर 13 महिलाओं को घर के लिये योजना दिलवायी। 27 महिलाओं को पूरे वर्ष भर फ्री कानूनी सहायता उपलब्ध करवायी 44 महिलाओं को संजय गॉधी निराधार योजना से जोड़ा गया महिलाओं के स्वास्थ्य की देखभाल व कैंसर की रोकथाम के लिये स्वास्थ्य शिविर लगाये गये। बच्चों की शिक्षा में जहॉ मदद की जरूरत पड़ी वहॉ मदद की गई।

मध्यप्रदेश में एकल महिलाओं को सभी समूहों में जोड़ने का व संगठित करने का कार्य किया जा रहा है। विधिक सहायता केन्द्र के माध्यम से हम कुछ वकीलों के साथ आठनेर व भैसदेही विकास में प्रयास कर रहे हैं। 4 वकीलों का पेनल भी हमने तैयार किया है। 2 जगहों पर वकील के कैम्पों का भी आयोजन किया है जिससे एकल महिलाओं को मदद मिल सकें कि क्या सहायता कैसे उन्हें प्राप्त हो सकती है।

2. **ग्राम पंचायत एवं महिलाओं की भागीदारी** :– चयनित प्रतिनिधियों के साथ नियमित बैठक व बातचीत के द्वारा उनकी जानकारी/क्षमता बढ़ाने हेतू प्रयास किये जा रहे हैं। जब भी पंचायत में ग्राम सभा होती है उनकी सक्रिय भागीदारी वहॉ बढ़ाई जा रही है संस्था के कार्यक्षेत्र की सभी पंचायतों में ज्यादा से ज्यादा महिलाओं की संख्या रहती है। यह हमारी निरंतर महिलाओं के साथ काम करने के परिणाम स्वरूप ही संभव हो पाया है।
3. **फ्युचर लीडर** :– IRA के सहयोग से 402 फ्युचर लीडर को प्रशिक्षित किया प्रशिक्षण के पहले हमारी सोच यहीं थी कि उन्हें हम भविष्य में होने वाले चुनाव में खड़ा करेंगे। परन्तु 2018 से अभी तक चुनाव नहीं हुये तो उन्हें चुनाव में खड़ा करना तो संभव नहीं हुआ परन्तु प्रशिक्षण व निरंतर सम्पर्क के बाद उनमें इतनी क्षमता/उत्साह व निडरता आ गई कि वे दूसरे जगहों पर भी अपनी सेवायें दे रही हैं जैसे ऑगनवाड़ी, मनरेगा, अजीविका मिशन आदि।
4. **जल एवं स्वच्छता समिति का गठन एवं उनकी क्षमता विकास** :– 2021–22 में जल शक्ति मिशन की तरफ से ''नल से हर घर जल'' का कार्यक्रम में पंचायत में निर्माण कार्य की शुरूआत हुई हमने इस परियोजना का विस्तृत अध्ययन कर महिलाओं की इसमें जानकारी/भागीदारी बढ़ाने का प्रयास तेज कर दिये हमने 37 ग्राम पंचायतों में बैठक कर महिलाओं के साथ बैठक कर बताया कि इस परियोजना में जो 34 समिति बननी है उसमें आप लोग केवल महिलाओं को रखिये क्योंकि ये परियोजना पानी से जुड़ी है व पानी का सीधा सम्बन्ध महिलाओं व उनसे विशेष ग्राम सभा बुलवाने के लिये आवेदन देकर 27 पंचायतों में जल एवं स्वच्छता समितियों का गठन करवाया जिसमें केवल महिलायें ही महिला स्वास्थ्य पर वर्तमान में ''सहायक ट्रस्ट'' के साथ मिलकर अनीमिया फ्री ग्राम पंचायत पर जैविक पोषण वाटिका निर्माण, कैंसर फ्री रोकथाम हेतू डॉ. कमल राठी एवं उनकी टीम के साथ जागृति कार्य किया, अभियान चलाया। स्थानीय पारम्परिक महिला स्वास्थ्य रक्षक के साथ उनकी जानकारी के साथ पर काम कर रहे हैं।
5. **अजीविका मिशन में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से व मनरेगा में** :– महिला मजदूर समूहों से हम नियमित सम्पर्क में रहते हैं। व उन्हें आने वाली समस्याओं पर चर्चा कर उन्हें दूर करने का प्रयास करते हैं। किसान महिलाओं को छोटे–छोटे समूह बनाकर उन्हें संगठित करने का कार्य किया जा रहे हैं। व उनके खेती किसानी के काम को कैसे सरल/सुगम बनाया जा सकें उस दिशा में प्रयास

किये जा रहे हैं। जैविक कृषि व पारंपरिक कृषि की बहुत–सी विधियॉ इन तक पहुॅचायी जा रही है ताकि ये अपनी खेती, बाड़ी या वाटिका में उन्हें कर सकें।

इसके अलावा संस्था के सहयोग से चलने वाले ''जैविक उत्पादों की प्रोसेसिंग'' के उपक्रम, ''खाद्य संग्रहण एवं प्रोसेसिंग'' के उपक्रम, ''साथिन फेडरेंशन'' आदि नियमित चल रहें हैं। इस वर्ष हमने विशेष रूप से स्थानीय कार्यकर्ता की क्षमता विकास पर विशेष ध्यान दिया व विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये है।

6. **''सुधा संगिनी''** :– उपरोक्त सभी कार्यक्रम संस्था पिछले कुछ वर्षो से थोड़े संसाधनों से कर रही है। संसाधनों की कमी के कारण हम बहुत से कार्यक्रम ठीक ढंग से नहीं कर पाते थे। परन्तु हमारे काम को देखते हुये व कार्यकर्ताओं द्वारा की जा रही मेहनत को देखते हुये हमारी संस्था के कार्यकारिणी सदस्य श्री योगेश येंडले ने इस वर्ष संस्था को उपरोक्त सभी कार्यक्रम सहजता से चल सकें फंड की कमी के कारण हमारे कार्य न रूकें उन्होंने ''सुधा संगिनी'' परियोजना के आधार से संस्था की मांग अनुसार वर्ष में करीब 20 लाख की राशि उपलब्ध करवाने की अनुसंसा की है। हम अब ज्यादा से ज्यादा ग्राम पंचायतों में ज्यादा से ज्यादा महिलाओं तक आसानी से पहुॅच रहे हैं। हम वर्तमान में बैतूल व भैसदेही की 24 पंचायतों में व अमरावती के चांदूर बाजार की 26 पंचायतों तक आसानी से पहुॅच पा रहे है।

जब से यह परियोजना शुरू हुई है हम नियमित कार्यकर्ताओं की क्षमता विकास के लिये विभिन्न प्रशिक्षणों का आयोजन कर पा रहे है। महिलाओं के अलग–अलग समूहों को पारंपरिक एवं जैविक कृषि पर प्रशिक्षण –

1. युवतियों को क्राफ्ट, इलेक्ट्रीक व सोलर ऊर्जा पर प्रशिक्षण,
2. ग्राम पंचायत में जल एवं स्वच्छता की उप समितियों को क्षमता विकास प्रशिक्षण देने में,
3. गोपालन एवं बायोडायनामिक पद्धति से युवाओं को प्रशिक्षित कर क्षमता बढ़ाने में
4. एकल महिलाओं को अजीविका बढ़ाने के लिये उपक्रम तैयार करने में,
5. सेलर ड्रायर, महिला उपयोगी कृषि उपकरणों की उपलब्धता बढ़ाने में मदद कर रहे हैं।
6. और भी बहुत से व्यक्तिगत दानदाता है जिनकी मदद से हम टेमनी में ''मॉसी मॉ घर'',
7. पानी की व्यवस्था, स्वास्थ्य कैम्प आदि करने में सक्षम हो पा रहे हैं।

धन्यवाद!